सोशल मिडिया के माध्यम से जुड़कर देखे सेवा
1.जोधपुर शाखा वाट्सएप्प ग्रुप-8696946646
2.नागौर गौशाला वाट्सएप्प ग्रुप-9549272222
3.कामधेनु सेना वाट्सएप्प ग्रुप-9982274444
Facebook-विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर, Kamdhenu Sena, Twitter-@jodhpurgaushala, Instagram-Jodhpurgaushala से जुड़कर हमारी प्रतिदिन की सेवा भी आप देख सकते है।

www.gaulokmahatirth.com

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56670
Postal Reg No. NGR/080 /2025-27

कामधेनु दर्शन

वर्ष-12 | अंक-8 | कुल पृष्ठ:4 | एक प्रति मूल्य:10 रू.
जोधपुर, शुक्रवार 1 मई, 2026 | वार्षिक शुल्क:100रू.

मासिक समाचार पत्रिका
सम्पादक - सुनील शर्मा (BCA)
सह सम्पादक-ओमप्रकाश चौहान (M.sc)

शैक्षणिक भ्रमण से बच्चो का होता है बौद्धिक विकास

गोवंश व वन्यजीवों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मदर टेरेसा स्कुल, सुरसागर, जोधपुर के छात्र-छात्राओं को विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। निरीक्षण कर्मचारी ने गो चिकित्सालय की संक्षिप्त जानकारी दी एवं आई. सी.यू. वार्ड, कैंसर वार्ड, साण्ड वार्ड, आग व तेजाब से जले गोवंश वार्ड, तीन पैर वार्ड, सिजेरियन वार्ड, शरीर पीड़ित वार्ड, घायल बछड़ा वार्ड, मेडिकल रूम, एक्स-रे रूम, ऑपरेशन थियेटर, पक्षीघर की बारिकी से जानकारी दी और बताया कि गाय को पवित्र माना जाता है, और उनकी पूजा भी की जाती है। सभी बच्चों ने प्रकृति के मन भावन दृश्य जन्नत का आनन्द लिया, बच्चों के लिए समृद्ध और सीखने का अनुभव रहा। शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान मिलता है, बच्चों को अलग वातावरण से परिचित कराया जाता है, बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है।

गो चिकित्सालय में यात्रियों के सुविधार्थ V.I.P.रुम

नोट-रूम का शुल्क 150 रू. हैं, आपश्री भोजन, नाश्ता, चाय, बिसलेरी पानी की बोतल, टुवाल, साबुन, अखबार इत्यादि का उपयोग लेते हो तो यह रूम 1 रू. में पड़ेगा।

संतो हेतु V.I.P. रूम, चाय, नाश्ता, पानी की बोतल, टूवाल, साबुन व अखबार की नि:शुल्क व्यवस्था है।

80 रू. भोजन (14 आईटम)
20 रू. चाय (जितनी मर्जी हो उतनी बार चाय पियें)
15 रू. नाश्ता (सूर्योदय के समय)
15 रू. पानी की बोतल
10 रू. टूवाल
5 रू. अखबार
4 रू. साबुन
1 रू. रूम
150 रू. रूम शुल्क हैं

Scan here to pay

संस्था का क्यू आर कोड स्केन करके करे गोदान

किसी भी स्मार्ट फोन की एप्लीकेशन जैसे-गुगलपे, फोन पे, पेटीएम से श्री कृष्ण गोपाल गो सेवा समिति का क्यू.आर.कोड स्केन करके आप गोवंश हितार्थ सहयोग कर पुण्य के भागी बने, ऑनलाईन सहयोग कर रसीद प्राप्ति हेतु सम्पर्क करे-

SHRI KRISHAN GOPAL GAU SEVA
8696946644 G Pay BHIM UPI Paytm

सतयुग हो या राम राज्य उस दौरान भी राक्षसी गुण वाले मनुष्यों का वास रहा, ऐसे चन्द मनुष्यों ने गो चिकित्सालय पर दाग लगाने के भरकस प्रयास किये लेकिन अब तक वह असफल ही रहे...

देवभूमि भारत के इतिहास में न पहले थी न वर्तमान में है ऐसी 18 एम्बुलेन्सों की सेवा–यही हमारा ऐतिहासिक कार्य

सूर्य उदय होते ही एम्बुलेन्स सेवा होती है चालू लावारिस दुर्घटनाग्रस्त व बीमार गोवंश की सूचना हेतु मोबाईल सेवा (फोन सेवा) सूर्य उदय से सूर्य अस्त तक रहती हैं, 18 एम्बुलेंसों की सेवा सूर्य उदय होते ही गो सेवार्थ पावन पुनित कार्य के लिए निकल जाती हैं एवं दिन में एम्बुलेंस कम पड़ने पर किराये का वाहन भेजकर विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय अपना दायित्व पूर्ण करता है। जो एम्बुलेंस दिन में दूसरी बार जाती हैं वह रात्रि तक पहुंचती है और रात्रि में ही उस बीमार गोवंश की चिकित्सा की जाती हैं, चिकित्सा सेवा 24 घण्टे विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय नागौर व जोधपुर शाखा में चालू रहती हैं।

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्ता युक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में इंसानों की भांति होती है 24 घण्टे निरन्तर गो चिकित्सा सेवा

गो चिकित्सालय में अनुभवी चिकित्सा टीम ने किया प्रसव पीड़ित ऑपरेशन

प्रसव पीड़ित गोमाता जिनका ग्रामीण क्षेत्र में उपचार नहीं होता है उनको ग्रामीणों की सलाह पर उच्च स्तरीय उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय पहुंचाया जाता है ताकि समय पर उनका उपचार संभव हो सके गोमाता को बचाकर नया जीवनदान दे सकें। 1. ऐसी ही एक घरेलु गोमाता जिसको प्रेम भादु पुत्र मानाराम, ग्राम बृहु, तह.व जिला फलोदी वालों ने अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में उपचार हेतु लेकर आये। 2.अनुभवी चिकित्सा टीम ने ऑपरेशन थियेटर में ऑपरेशन करके मृत बछड़े को बाहर निकालकर गोमाता को जीवनदान दिया। 3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम करती हुई गोमाता। गो चिकित्सालय परिवार का निरंतर प्रयास रहा है कि प्रत्येक पीड़ित गोवंश को बेहतर उपचार उपलब्ध हो, जिससे उन्हें नया जीवनदान मिल सके।

श्री कैलाश बन्ना माजिसा संस्थान द्वारा लाया बछड़ा

आवारा श्वानों के नोचने से घायल एक निराश्रित बछड़े को श्री कैलाश बन्ना माजिसा सेवा संस्थान, ग्राम बालरवा, तह.तिंवरी, जोधपुर वालों ने उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। बछड़े का उपचार करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम। बछड़े को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछ ही दिनों में मिलेगी अच्छी राहत। अन्य गोशालाओं के द्वारा बीमार, दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को उच्च स्तरीय उपचार के लिए विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लेकर आते है और स्वस्थ होने पर वापस लेकर जाते है।

एक्सीडेंट से बछड़े का पैर हुआ फैक्चर, किया ईलाज

कैलाश जी सरगरा पुत्र श्री भंवरारामजी, ग्राम लोरड़ी पण्डित जी, जिला जोधपुर वालों ने सड़क पर किसी वाहन की टक्कर लगने से बछड़े के पैर पर गहरा घाव हो गया और अन्दर हड्डी में गहरी चोट आई जिसको उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुँचाया। बछड़े का उपचार करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

संक्रमित नंदी का सफल उपचार, पहुँचाई राहत

एक संक्रमित नंदी का सफल उपचार किया गया। मांटाराम मारू पुत्र मंगाराम, ग्राम खेतासर, तह.ओसियां, जोधपुर निवासी ने एक निराश्रित नंदी को गो चिकित्सालय पहुँचाया। नंदी के पेनिस (लिंग) में गंभीर संक्रमण होने से उसकी स्थिति बिगड़ रही थी। अनुभवी चिकित्सा टीम ने प्राथमिक परीक्षण के बाद नंदी का ऑपरेशन किया। शल्यक्रिया पूरी तरह सफल रही। ज्ञात रहे कि नंदी को अब उच्च गुणवत्तायुक्तपौष्टिक आहार, एंटी - बायोटिक्स दी जा रही है।

शरीर पीड़ित गोमाता का किया ईलाज

गोवंश को समय पर उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराने हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर निरंतर सेवा प्रदान कर रहा है। जोधपुर जिले की तह. भोपालगढ के ग्राम बिराणी से प्रकाश विश्नोई पुत्र तेजाराम ने एक बेसहारा प्रसव पीड़ित गोमाता जो गंभीर अवस्था में थी उसको निजी वाहन द्वारा उपचारार्थ गो चिकित्सालय लेकर आये। गो चिकित्सालय पहुंचने पर अनुभवी चिकित्सा टीम ने चिकित्सा प्रक्रिया आरंभ की। परीक्षण में गोमाता के गर्भ में जीवित बछड़ा पाया गया टीम द्वारा जीवित बछड़े के साथ गोमाता का प्रसव करवाकर सुरक्षित जीवनदान दिया गया।

हॉर्न कैंसर से पीड़ित गोमाता का किया उपचार

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में एक निराश्रित गोमाता का सफल उपचार किया गया। ओमारामजी बांता पुत्र श्री रामुरामजी, ग्राम हरडाणी, तह.बावड़ी, जोधपुर वालों ने एक निराश्रित गोमाता को एम्बुलेंस द्वारा गो चिकित्सालय भिजवाया। गोमाता का एक सींग गंभीर रूप से खराब हो चुका था, जिसके लिए तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता थी। गो चिकित्सालय की अनुभवी चिकित्सा टीम ने जांच के बाद उपचार शुरू किया। टीम ने सींग के क्षतिग्रस्त हिस्से की सफाई, दवाई और आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी सावधानी से की।

कुत्तों द्वारा घायल बछड़े का उपचार

एक निराश्रित बछड़ी जिसके शरीर पर श्वानों के नोचने से घायल अवस्था में थी उसको उपचार हेतु बगतारामजी गोदारा पुत्र श्री नारायणरामजी, ग्राम बावरली, तह.बालेसर, जोधपुर वालों ने अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। अनुभवी चिकित्सा टीम बछड़ी का उपचार करती हुई। उपचार के पश्चात् आराम करती हुई बछड़ी। बछड़ी को उच्च गुणवत्ता युक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछ ही दिनों में मिलेगी अच्छी राहत। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

घायल राष्ट्रीय पक्षी का किया उपचार

गो चिकित्सालय में वन्यजीवों को वन्यजीव प्रेमी ही लेकर आते है इन घायल वन्यजीवों को कड़ी मेहनत व उच्च क्वालिटी की दवाईयों द्वारा उपचार किया जाता है व मानव बच्चों की तरह देखभाल की जाती है, पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद इन वन्यजीवों को सविचरण हेतु छोड़ दिया जाता है। जसनदीप सिंह पुत्र अमरजीत सिंह , नागतलाव आर्मी एरिया, जोधपुर वालों ने एक नीलगाय जो कि दुर्घटना से पीछे के पैर में गहरा घाव था उसको उपचार हेतु अपने आर्मी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। घायल नीलगाय का उपचार करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम।

घायल राष्ट्रीय पक्षी का उपचार कर पहुँचाई राहत

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में न केवल गौवंश, बल्कि घायल एवं पीड़ित वन्यजीवों को भी पूर्ण समर्पण और संवेदना के साथ उपचार प्रदान किया जाता है। यहाँ आने वाले प्रत्येक वन्य जीव की देखभाल मानव बच्चों की तरह की जाती है, उच्च क्वालिटी की दवाइयों, निरंतर निगरानी और गहन प्रेम के साथ। पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद इन्हें पुनः स्वच्छंद विचरण हेतु प्रकृति के हवाले कर दिया जाता है। धमण्डाराम पटेल पुत्र श्रीराम, ग्राम जाजीवाल गहलोता, जोधपुर वालों ने एक मोर जो कुत्तों के नोचने से घायल अवस्था में था, बड़ी संवेदना के साथ अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लेकर आये। इनका यह प्रयास वन्यजीव प्रेम की सच्ची मिसाल है। चिकित्सालय की अनुभवी चिकित्सा टीम ने घायल मोर के गहरे घावों का तुरंत उपचार शुरू किया। मेहनत, सावधानी और बेहतर मेडिकल सुविधाओं की बदौलत मोर की स्थिति में तेज़ी से सुधार आया।

इंसानों के विश्व स्तरीय चिकित्सालय भारत में सैकड़ों मिल जायेंगें लेकिन गोवंश हितार्थ विश्व स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय गो चिकित्सालय चार-पांच ही मिलेंगे कारण इन्हें संचालन करने में कठोर

प्रतिदिन 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन बांटा दिया जाता है

प्रतिदिन पीड़ाग्रस्त गोमाता को मौसम अनुसार पौष्टिक आहार स्वरूप 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन (आठ हजार किलो) बांटा (दलिया) पकाकर दिया जाता है। इसके अन्दर मिनरल पाउडर जिसके अन्दर कैल्शियम, कॉपर, कोबाल्ट, मैग्नेशियम, खनिज लवण व विटामिन होते है। जिसे गोवंश को वजन के अनुसार बांटे में डालकर खिलाया जाता है। जिससे गोवंश को मिनरल की कमी न हो और साथ ही गोवंश स्वस्थ व तन्दुरस्त रहे।

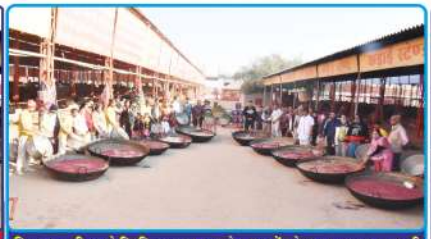

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में गोभक्त बाबुलाल जी पुत्र श्री लाखाराम जी बिश्नोई, ग्राम मेघावा, पो. विरावा, तह. चितलवाना, जिला जालौर वालों ने अपने 49वें जन्मोत्सव पर पीड़ित, गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई दलिया बनवाया, 5 पीपा मूंगफली तेल एवं 1100 रूपये का हरा चारा (रिजगा) डलवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया, आप श्री भी ले प्रेरणा।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में पीड़ाग्रस्त गोवंश के हित को देखते हुए चिकित्सकों के सलाह के अनुसार उच्च क्वालिटी का चारा (ज्वार की कुतर, बाजरी की कुतर) ही दिया जाता है। इस चारे को चारा मशीन द्वारा छाणकर गोवंश को दिया जाता है इस दौरान छानते वक्त कंकर या अन्य वस्तु को भी हटाया जाता है। चारा मशीन में जब चारा छणा जाता है तो बिलकुल बारिक मिट्टी एवं गुदी अलग ही निकलती है यह मिट्टी व गुदी बीमार गोवंश के लिए नुकसान दायक रहती है।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में विशालतम् बांटा गोदाम 55X35 फिट बड़ा, जिसमें सैंकड़ों टन खाद्य सामग्री को रखा जाता है, ज्ञात रहे उसी अनुसार वापस बड़ी मात्रा में प्रतिदिन 8 टन (8 हजार किलो) 24 कढ़ाईयों में खाद्य सामग्री लगती है, यहाँ बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की हो रही चिकित्सा-सेवा से प्रभावित होकर अपने गाँव/शहर के गोभक्त मिलकर खल, गुड़, चुरी,जौ, लापसी हेतु गेहूं का बाट, बाजरी का दलिया, चापड़ इत्यादि गो खाद्य सामग्री भेजना चाहते है तो गो चिकित्सालय में सूचना करें ताकि किराये का वाहन भेज कर खाद्य सामग्री मंगवा ली जायेगी। **सम्पर्क- 8696946644**

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त बनवाते है पीड़ित गोवंश हितार्थ पौष्टिक आहार

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर डॉ.दशरथ जी परिहार पुत्र श्री परमानन्द जी, महामन्दिर, जोधपुर वालों ने अपने सुपुत्र भाविन के 10वें जन्मदिवस पर पीड़ित गोवंश हितार्थ 11 कढ़ाई दलिया व हरा चारा डलवाकर पुण्य प्राप्त किया।

होसियार चन्दजी जैन पुत्र श्री अनोपचन्दजी जैन, महामन्दिर, जोधपुर वालों ने अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर पीड़ित गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई लापसी बनवाई पश्चात् विश्व की सर्वश्रेष्ट पीड़ित गोवंश की सेवा व वन्यजीवों की चिकित्सा के दर्शन किये।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में अखेसिंह जी गहलोत-लक्ष्मीजी गहलोत अपने पौत्र व सुरेशजी-रेणुजी, जोधपुर वालों ने अपने सुपुत्र मानवीक के 5वें जन्मदिवस पर 2 कढ़ाई दलिया बनवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

गोमाता सेवा सहयोग परिवार, जोधपुर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 कढ़ाई लापसी, 1 कढ़ाई दलिया, 5 पानी के टैंकर, 2 पेटी गुड़, 1500 रू. का हरा चारा, 1500रू. की मेडिकल दवाईयां हेतु सहयोग किया आप श्री का समय-समय पर अच्छा सहयोग रहता है।

श्रीमान देवेन्द्र जी पारीक, जोधपुर वालों का 55वें जन्मदिवस के उपलक्ष में पुत्र ललीत जी पारीक व यशवन्त जी पारीक एवं साथ में मित्रगण हर-हर महादेव पुष के सदस्य नरेश जी सांखला, कुनाल जी देव्या, कृष्णजी पारीक एवं दिलीप जी बिश्नोई, दीपक जी सांखला के द्वारा 1 कढ़ाई लापसी, 1 कढ़ाई दलिया व 1200 रू.का हरा चारा डलवाकर गोवंश के बीच अपना जन्मदिवस मनाया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में नव-दम्पति रूचिकाजी राठी धर्मपत्नी श्री पियुषजी राठी, चाणक्य नगर, लालसागर, जोधपुर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 कढ़ाई लापसी बनवाकर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

गोवंश हितार्थ किया सहयोग

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में कालुरामजी प्रजापति पुत्र श्री लुणारामजी, जोधपुर वालो ने 18 हजार रू.का मेडिकल दवाईयां हेतु सहयोग किया, पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर घर में सुख, शांति, समृद्धि व लक्ष्मी की वृद्धि हेतु कामना की।

विवाह सम्मेलन में वर-वधु को दी चाँदी की तस्वीर

श्री नारायण सेवा समिति मण्डोर एवं माली संस्थान, जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सामुहिक विवाह कार्यक्रम में श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के प्रतिनिधि के रूप में जोधपुर शाखा अध्यक्ष कालुरामजी प्रजापत, अर्जुनराम जी जाट, रमेश जी भाम्बु, दीपक जी हुड्डा व अशोक जी ढाका उपस्थित रहे। कालुरामजी प्रजापत व अर्जुनरामजी जाट ने नवविवाहित जोड़ों को साड़ियां, चाँदी की तस्वीर व कामधेनु दर्शन पुस्तक भेंटकर शुभकामनाएं दी, इस दौरान गोभक्त प्रेमसिंह जी सोलंकी, नरसिंह जी गहलोत व संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भागवत कथा में अध्यक्ष व टीम ने सुना कथा का वाचन

माजिसा सेवा संस्थान, नान्दड़ा कल्ला के तत्वाधान में आयोजित गोहितार्थ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं नानी बाई का मायरा कार्यक्रम में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के संस्थापक श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के प्रतिनिधि के रूप में जोधपुर शाखा अध्यक्ष कालुरामजी प्रजापत व टीम ने भाग लिया। इस दौरान भागवतजी पर पुष्प अर्पित कर, कथा व्यास श्री श्यामसुन्दर जी महाराज को 'कामधेनु दर्शन पुस्तक' देकर आशीर्वाद लिया। इस उपलक्ष में माजिसा सेवा संस्थान के अध्यक्ष आनन्दसिंह जी को साफा, पुष्पमाला व चाँदी की तस्वीर देकर सम्मान किया पश्चात् सेवा संस्थान द्वारा 11 हजार रू.का पीड़ित गोवंश हितार्थ सहयोग किया व गो चिकित्सालय अध्यक्ष कालुरामजी प्रजापत का साफा, दुपट्टा व टीम का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

मेहनत, अनेक बाधाएँ, आर्थिक परेशानियां एवं दुष्ट पुरूषों के द्वारा दी गई आपत्तियों का बार-बार सामना करना पड़ता है तथा राज्य सरकार द्वारा भी कोई विशेष सहायता नहीं मिलती...

पीड़ित गोवंश हितार्थ किसान भाई भेज सकते हैं सुखा चारा व खाद्य सामग्री

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, नागौर में गोभक्त पूज्य संत श्री रामस्वरूपदास जी महाराज, श्रीगंगानगर वालों द्वारा 273 क्विंटल सुखा चारा भेंट कर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

जीवित समाधि श्री श्री 1008 श्री शिवदानपुरी जी महाराज श्री गोडागड़ा धाम के पुजारी श्री मोहनपुरी जी, जैसलमेर वालों द्वारा 87 क्विंटल चुण व 11 क्विंटल मखाणा भेंट किया।

श्री परमेश्वर जी महाराज तेजा जुणी धाम, परतापराम जी कुचामनसिटी, जिला डीडवाना-कुचामन वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 23 क्विंटल चूण भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

संतोषजी गेधर, नोखा, जिला बीकानेर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 10 क्विंटल बाजरी भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

अजयजी (अशोकजी) गहलोत पुत्र पारसरामजी, तह. लोहावट जिला फलोदी वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ एक पिक-अप तुड़ी भेंटकर गोवंश से आशीर्वाद लिया।

समताजी जाट (चौधरी), कोलायत, बीकानेर वालों ने 15 क्विंटल गुड़, 500 झाड़ु व 7 क्विंटल चुण भेंटकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

गोभक्त कालुरामजी पुत्र लक्ष्यणरामजी देवड़ा, बावड़ी, जिला जोधपुर वालों ने 1 पिकअप तुड़ी का चारा भेंट किया, आप श्री भी ले प्रेरणा।

गोभक्त मुलारामजी गोदारा पुत्र अमरारामजी, बीकानेर वालों ने 1 पिकअप तुड़ी का चारा भेंटकर पुण्य प्राप्त किया।

श्री भैरूजी महाराज की धाम, भंवरलालजी चौधरी (पुजारीजी) डेगाना, नागौर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 10 क्विंटल अनाज और 6 कार्टून गुड़ भेंट किया।

बाँयासा महाराज मन्दिर के पुजारी बाबुलाल जी देवासी, जोधपुर वालों ने 6 क्विटल चुण व 3 क्विंटल गोटा भेंट कर गोवंश से आशीर्वाद लिया।

चारा भेजने हेतु सम्पर्क करें– चारा व्यवस्थापक :–मुकेश पारीक, मो. 7230064603

भारत में ऐसी बड़े स्तर पर अद्भुत सेवाएं अन्यत्र कहीं नही

1. विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लावारिस दुर्घनाग्रस्त गोवंश को लाने हेतु 18 पशु एम्बुलेन्स की व्यवस्था की गई है। 2. जिस स्थान से दुर्घटनाग्रस्त गोवंश लाये जाते हैं स्वस्थ होने के पश्चात् गोवंश को पुनः उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है। 3. मालिक अपने घरेलु बीमार गोवंश लेकर आता है तो उनको एक बीमार गोवंश के बदले में एक स्वस्थ गोवंश वापस दिया जाता है अगर वो स्वस्थ गोवंश नही लेते है तो उन्हे 3500 रू. की रसीद कटवानी पड़ेगी।4. गौशालाओं से एक बीमार गोवंश लेकर आते है तो उनको भी एक बीमार के बदले में एक स्वस्थ गोवंश दिया जाता है।5. निजी वाहन एवं पुलिस प्रशासन के वाहन द्वारा आते हैं, ऐसे वन्य जीवों को लिया जाता है।6. वन्य जीवों को स्वस्थ होने पर गो चिकित्सालय वन विभाग को सुपुर्द कर देता है।7. गो चिकित्सालय में स्वस्थ गोवंश एवं दूध देने वाली गायों को नहीं रखा जाता और ना ही लिया जाता है। 8. जो स्थान एम्बुलेंस क्षेत्र की परिधि से बाहर है, ऐसे स्थान पर लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया हो, तो वहां के संस्था से जुड़े दानपात्र सदस्य किराये का वाहन कर घायल गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, वाहन किराया में कुछ राशि कम रहती है उस राशि का भुगतान गो चिकित्सालय द्वारा कर दिया जायेगा। 9.रात्रि में कोई लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया है,जो संस्था से जुड़े हुए है वह किराये का वाहन कर दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, किराये में कुछ राशि कम रहती है, तो उस राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

गोभक्त अपनी नेक कमाई में से पीड़ाग्रस्त गोवंश हेतु प्रतिदिन श्रद्धानुसार गो दान कर अपने धन की शुद्धिकरण करना चाहते है तो उनसे निवेदन है कि आप अपने प्रतिष्ठान एवं घर पर स्टील का दान पात्र व बड़े प्रतिष्ठान पर वी.आई.पी.दानपात्र लगवा सकते है। इस गोदान से मरते हुए गोवंश को नया जीवन दान मिलता है तो उस गोवंश के जितने रोम होते है उतने वर्षो तक दानदाता स्वर्ग की प्राप्ति करता है दानपात्र लगवाने हेतु सम्पर्क करें- **8696946698**

श्रीकृष्ण गोपाल गोसेवा समिति

(विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय)

जोधपुर रोड़, नागौर (राज.)

शाखा :जयपुर-पाली बाईपास ग्राम रलावास (जोधपुर)

www.gaulokmahatirth.com e-mail : jd.shrikrishangausevasimiti@gmail.com

एम्बुलेन्स नं.- 8696943714 गौ दान पात्र नं.- 8696946698

सहयोग के प्रकार–1.एक बीघा जमीन का भाव-2600000 रूपयें, 2. बड़ा चारा गोदाम-1200000 रू., 3. बीमार गोवंश की दवाईयां प्रतिमाह- 900000 रू., एक दिन की दवाईयां-30000 रू., 4. एक माह का पौष्टिक आहार-750000 रू., एक दिन का- 25000 रूपयें, एक कड़ाई दलिया (पौष्टिक आहार)-2100/- रू. 5. एक दिन की लापसी-51000 रू. एक कड़ाई लापसी-5100/- रू., 6.ट्रेक्टर-650000 रू., 7. पशु एम्बुलेन्स (बुलेरो माईक्रो हाईब्रेड)-700000 रू., 8.विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय का एक दिन का खर्च 6,25,000 रू., 9. बांटा स्थली टीन शेड (18 X 90)-2,25000/-रू., 10. साधु, साध्वियों, यात्रियों हेतु कमरा (20X14)-4,25,000/, बरामदा 75,000 रूपयें,11. घायल वन्यजीवों हेतु लोहे का पिंजरा- 40,000/ रूपयें, 12. एक घायल गौमाता का ऑपरेशन+चिकित्सा -25,000/- रू., 13. एक गौमाता की चिकित्सा - 11000 रू. 14.गौमाता हेतु एक दिन का सुखा चारा-31,000/- रू. 15.गौमाता हेतु एक दिन का हरा चारा -21000 /- रू. 16.अनाथ बछड़े हेतु झूला-75000/-रू. 17.गौमाता हेतु अंडरग्राउण्ड रैम्प-35,000/-रू. 18.गौमाता हेतु एक सीमेंट की ठाण-30000/-रू. 19.गौमाता हेतु पानी की खेली-21000/- रू.

Shri Krishan Gopal Gau Seva Samiti, Jodhpur
ICICI A/c No. 683001700585, Ifsc Code. ICIC0006830
SBI A/c No. 41515647040, Ifsc Code. SBIN0051092

SHREE KRISHANA GOPAL GOUSEVA SAMITI, NAGAUR
AXIS A/c No. 912010003522032, IFSC Code -UTIB0001384
SBI A/c No. 61063361017, IFSC Code - SBIN0031528
UNION A/c No. 592401010050102, IFSC Code-UBIN0559245

भारत का दूसरा बड़ा गो चिकित्सालय गुजरात में, तीसरा बड़ा जोधपुर में, चौथा बड़ा महाराष्ट्र में लेकिन एम्बुलेन्स इनके पास दो या तीन ही है कारण एम्बुलेन्स व्यवस्था चलाना अत्यन्त कठिन है...

स्वामी एवं प्रकाशक अर्जुनसिंह राठौड़ के लिए मुद्रक गिरधारीराम द्वारा चौधरी प्रिंटर्स, किले की ढाल,नागौर में मुद्रित एवं मासिक हिन्दी समाचार-पत्र कामधेनु दर्शन, श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति,एन.एच. 62, जोधपुर रोड़ नागौर (राज.) से प्रकाशित। प्रकाशक-अर्जुनसिंह राठौड़